International Journal Of Multidisciplinary Research In Science, Engineering and Technology (IJMRSET)

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 5.928|

| Volume 4, Issue 8, August 2021 |

| DOI:10.15680/IJMRSET.2021.0408009|

झुंझुनू जिले में जनसँख्या का व्यावसायिक संगठन

डॉ. इमरान खान

सहायक आचार्य, भूगोल

आर. पी. दुलार, बालिका महाविद्यालय, बिसाऊ, राजस्थान

सारांश : यद्यपि जनसंख्या किसी भी क्षेत्र विशेष का मूलभूत संसाधन होती है, तथा किसी क्षेत्र विशेष के मानवीय संसाधन पर ही उस क्षेत्र का विकास निर्भर करता है। परन्तु वर्तमान समय में विश्व की जनसंख्या जिस तीव्र गती से बढ़ रही है, जो वास्तव में चिन्ता का विषय है। वर्तमान प्रौद्योगिकी मानव ने जिस तरह से केवल अपने हितों को साधने के लिये, प्रकृति द्वारा प्रदत विभिन्न संसाधनों को नुकसान पहुंचाया है, उससे न केवल मानव वर्ग को नुकसान हुआ है, वरन् पर्यावरणीय संकट की ज्वलंत समस्या उभर कर सामने आई है। वस्तुतः यदि अधिक स्पष्ट शब्दों में कहें तो मानव ने जिस सभ्यता का विकास किया है, वस्तुतः उसका आधार ही प्रकृति का शोषण है। जनसँख्या वृद्धि वर्तमान समय में किसी भी क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण समस्या है एवं किसी भी क्षेत्र के सर्वांगीण विकास में जनसँख्या का अहम योगदान होता है। जनसँख्या का व्यावसायिक संगठन किसी भी क्षेत्र विशेष में विकास के स्तर को प्रभावित करता है। प्रस्तुत शोध पत्र में झुंझुनू जिले में जनसँख्या के व्यवसायिक संगठन के स्तर को विश्लेषित किया गया है जिसके अंतर्गत जिले की कार्यशील, अकार्यशील एवं सीमांत जनसँख्या के स्वरूप को दर्शाया गया है।

मूल बिंदु : व्यावसायिक संगठन, जनसँख्या वृद्धि, प्रौद्योगिकी मानव

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 5.928|

| Volume 4, Issue 8, August 2021 |

| DOI:10.15680/IJMRSET.2021.0408009|

1. परिचय

वर्तमान समय में जनसंख्या वृद्धि एक ज्वलंत समस्या बनकर सम्पूर्ण विश्व के सामने खड़ी है। यदि पिछले आंकड़ों पर दृष्टि डालें तो पता चलता है, कि 1991 में जहाँ भारतवर्ष की जनसंख्या 84,33,87,880 थी वहीं 2001 में यह 21.34 प्रतिशत की दर से बढ़कर 1,027,015,247 हो गई तथा 2011 में भारत की जनसंख्या बढ़कर 1,210,193,422 हो गई तथा भारत विश्व का दूसरा अधिकतम जनसंख्या वाला देश बन गया तथा जिस तीव्रतम गति से जनसंख्या बढ़ रही है उससे जनसंख्या संबंधित समस्या तो सामने आ ही रही है, साथ ही यह भी है, कि विकास की इस दौड़ में मानव ने नये–नये आयाम स्थापित करने के लिये पर्यावरण को हर बार क्षति पहुचाई है, कभी वनोन्मूलन के रूप में, कभी खनन करके एवं कभी अनव्यकरणीय संसाधनों का अनुचित व अंधाधुन्ध प्रयोग करके तथा इन सभी कार्यों का सीधा प्रतिफल पर्यावरणीय संकट के रूप में सामने आया है। जिनमें जल, वायु, ध्वनी प्रदूषण प्रमुख है। अब सर्वाधिक चिन्ता का विषय यह कि यदि इस बढ़ती जनसंख्या पर अंकुश नहीं लगाया गया तो भविष्य में एक विकसित मानव की कल्पना तो दूर प्रत्येक मानव स्वंय के लिए जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं (रोटी, कपड़ा और मकान) की पूर्ति भी नहीं कर पायेगा। तथा उस समय पर्यावरणीय संकट की स्थिती क्या होगी इसका अनुमान लगाना भी मुश्किल है।

2. अध्ययन क्षैत्र :

राजस्थान के उतरी पूर्वी छोर पर स्थित झुंझनु जिला राज्य के समस्त जिलों में अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इसका विस्तार 27° 38′ से 28^{0} 36′ उत्तरी अक्षांश एवं 75^{0} 02′ से 76^{0} 06′ पूर्वी देशान्तरों के मध्य स्थित यह जिला समुद्र तल से 338 मीटर की ऊंचाई पर अवस्थित है। जिले की उतरी सीमा हरियाणा राज्य को सीमांकित करती है, तथा उत्तर पूर्व में चूरू जिले द्वारा, दक्षिण में पूर्णरूप से सीकर जिले द्वारा पूर्व में अलवर जिले द्वारा सीमांकित है। झुंझनु जिला प्रशासनिक दृष्टि से 6 तहसीलों यथा झुंझनु, चिड़ावा, बुहाना, खेतड़ी, नवलगढ़, उदयपुरवाटी में बंटा हुआ है। तथा यहां शिक्षा का औसत 73.61 प्रतिशत है। जो राजस्थान में दूसरा स्थान रखता है। पुरूष साक्षरता

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 5.928|

| Volume 4, Issue 8, August 2021 |

| DOI:10.15680/IJMRSET.2021.0408009|

86.61 प्रतिशत है, वहीं महिला साक्षरता 60.10 प्रतिशत है। 5928 वर्ग किमी के क्षैत्रफल में फैला हुआ यह जिला राजस्थान के कुल क्षैत्रफल के 1.7 प्रतिशत भाग को घेरे हुवे है। 2001 की जनगणना के अनुसार यहां की कुल जनसंख्या 19,13,684 थी जो 2011 में बढ़कर 2,139,658 हो गई। इससे पता चलता है, कि यहां जनसंख्या वृद्धि की दर तीव्रतम रही है। झुंझनु में स्त्री–पुरूष अनुपात 950 है, तथा जन्म दर 20.93 प्रतिशत है, तथा यहां प्रति व्यक्ति घनत्व 361 पाया जाता है। जिले में कुल आबाद ग्रामों की संख्या 910 है, तथा 2 ग्राम गैर–आबाद है। तापमान संबंधी आंकड़ों पर दृष्टि डाले तो यहां अब तक का गर्मीयों का अधिकतम तापमान वर्ष 2011 में 47.4 डिग्री सेल्सियस रहा है तथा न्यूनतम तापमान वर्ष 2007 में –2.0 डिग्री सेल्सियस रहा है। तथा वर्षा का वार्षिक औसत 44.45 सेन्टीमीटर हैं।

3. जनंसख्या की व्यावसायिक संरचना :

वस्तुतः मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में रहने तथा अपने जीवन को सुचारू रूप से चलाने के लिए उसे कार्य करने पड़ते हैं। अतः मनुष्य जहाँ रहता है वहाँ के वातावरण एवं संसाधनों की उपलब्धता तथा अपने तकनीकी ज्ञान के आधार पर मनुष्य कई प्रकार के कार्य करता है। ये सभी कार्य मनुष्य के विभिन्न व्यवसाय कहलाते हैं। नगरीय क्षेत्रो में प्राथमिक व्यवसाय की तुलना में द्वितीयक व तृतीयक व्यवसायों की प्रमुखता होती है तथा झुंझुनू जिले में भी वर्तमान समय में ओद्यौगिक व वाणिज्यिक गतिविधियाँ उच्च स्तर पर विकसित होने लगी है। वस्तुतः कार्यो के आधार पर क्षेत्र विशेष की जनसंख्या को तीन वर्गों में वर्गीकृत कर सकते हैं।

- **कार्यशील जनसंख्या :**

  झुंझुनू जिले में कुल कार्यशील लोगो की संख्या 894649 हैं, जो की जिले की कुल संख्या का 41.86 प्रतिशत है, जिले में कार्यशील जनसंख्या में महिला एवं पुरूषो की संख्या पर दृष्टि डाले तो जिले में 541392 पुरूष तथा 353257 महिलाऐं कार्यशील हैं। अर्थात् जिले में 49.40 प्रतिशत पुरूष तथा 33.93 प्रतिशत महिलाऐं कार्यशील हैं। जिले में कार्यशील लोगो की संख्या को यदि

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 5.928|

| Volume 4, Issue 8, August 2021 |

| DOI:10.15680/IJMRSET.2021.0408009|

ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रो के संदर्भ में विश्लेषित करें तो पता चलता है कि जिले मे कुल कार्यशील जनसंख्या में से ग्रामीण क्षेत्रो में 752752 लोग कार्यशील है, जो की जिले का 45.68 प्रतिशत हैं। जिले के गाँवों में कुल 425348 पुरूष तथा 327404 महिलाऐं कार्यरत हैं। अर्थात् जिले की ग्रामीण जनसंख्या में कुल 50.47 प्रतिशत पुरूष तथा 41.66 प्रतिशत महिलाऐं कार्यरत हैं। जिले की कार्यशील जनसंख्या को नगरीय क्षेत्र के संदर्भ में देखे तो स्थिती यह है कि जिले के नगरो में कुल 29.01 प्रतिशत लोग कार्यरत हैं। अर्थात् जिले में कुल नगरीय कार्यशील जनसंख्या 141897 हैं, जो की ग्रामीण कार्यशील जनसंख्या की तुलना में काफी कम हैं। जिले में नगरीय जनसंख्या में 116044 पुरूष तथा 25853 महिलाऐं कार्यशील हैं, जो की जिले का 45. 43 तथा 10.96 प्रतिशत हैं।

तालिका संख्या 01 : जिले में कार्यशील, सीमान्त एवं अकार्यशील जनसंख्या का वितरण 2011

	कार्यशील			सीमान्त			अकार्यशील		
	पुरूष	स्त्री	योग	पुरूष	स्त्री	योग	पुरूष	स्त्री	योग
ग्रामीण	425348	327404	752752	87912	195908	283820	417370	477844	895214
नगरीय	116044	25853	141897	9369	8647	18016	137134	210048	347182
योग	541392	353257	894649	97281	204555	301836	554504	687892	1242396

स्रोत : जिला सांख्यिकी रूपरेखा, झुंझुनू–2020

यद्यपी जिले की तहसीलो में कार्यशील जनसंख्या के आंकड़ो को देखे तो पाते है कि जिले की चिड़ावा तहसील में कार्यशील लोगो की संख्या सर्वाधिक हैं। इस तहसील में कुल 219128 लोग कार्यशील हैं, जिनमें से 127436 पुरूष तथा 91692 महिलाऐं कार्यशील हैं। अन्य संदर्भ में देखे तो तहसील के ग्रामीण क्षेत्रो में 186546 लोग कार्यशील हैं एवं इनमें पुरूषो की संख्या 101014 हैं तथा कार्यशील महिलाओं की संख्या 85532 हैं एवं चिड़ावा तहसील के नगरीय क्षेत्रो में कार्यशील लोगो की संख्या 32582 हैं, जिनमें 26422 पुरूष हैं तथा 6160 महिलाऐं कार्यशील हैं। इसी क्रम में देखा जाऐ तो झुंझुनू जिले की बुहाना तहसील में सबसे कम कार्यशील जनसंख्या पाई जाती हैं। 2011 के अनुसार इस तहसील में कुल कार्यशील लोगो की संख्या 94046 हैं, जिनमें पुरूषो की संख्या 53507

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 5.928|

| Volume 4, Issue 8, August 2021 |

| DOI:10.15680/IJMRSET.2021.0408009|

एवं महिलाओं की संख्या 40539 हैं। इस तहसील के ग्रामीण क्षेत्रो में कुल 90793 लोग कार्यशील हैं एवं नगरीय क्षेत्र में 3253 लोग कार्यशील हैं। पुरूषो एवं स्त्रीयों की संख्या पर नजर डाले तो पता चलता है कि बुहाना तहसील के ग्रामीण क्षेत्रो में 50778 पुरूष एवं 40015 महिलाऐं कार्यशील हैं एवं नगरीय क्षेत्रो में पुरूषो एवं महिलाओ की संख्या क्रमशः 2729 तथा 524 हैं। झुंझुनू जिले में चिड़ावा तहसील के बाद अधिकतम कार्यशील जनसंख्या वाली तहसील झुंझुनू हैं, जिसमें कुल 214024 लोग कार्यशील हैं, जो की चिड़ावा तहसील के बाद सर्वाधिक हैं। झुंझुनू तहसील में कुल 132000 पुरूष तथा 82024 महिलाऐं कार्यशील हैं। तहसील में ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रो में कुल 155005 तथा 59019 लोग कार्यशील हैं, जिनमें से नगरीय क्षेत्र में 48527 पुरूष एवं 10492 महिलाऐं कार्यरत हैं एवं तहसील के ग्रामीण क्षेत्रो में पुरूषो एवं महिलाओं की संख्या क्रमशः 48527 एवं 10492 हैं। जिले की अन्य तहसीलो में कार्यशील जनसंख्या के आंकडो पर दृष्टिपात करें तो पता चलता है की खेतड़ी, नवलगढ़ तथा उदयपुरवाटी तहसीलो में कुल कार्यशील जनसंख्या क्रमशः 109922, 135635 एवं 121894 हैं। खेतड़ी तहसील में 69942 पुरूष एवं 39980 महिलाऐं कार्यरत हैं। इसी प्रकार नवलगढ़ तहसील में 84288 पुरूष तथा 51347 महिलाऐं कार्यरत हैं। उदयपुरवाटी तहसील में कार्यशील पुरूषो की संख्या 74219 एवं कार्यशील महिलाओं की संख्या 47675 हैं।

- **अकार्यशील जनसंख्या :**

  इस वर्ग के अन्तर्गत ऐसे व्यक्यिों को शामिल किया जाता है जो खुद किसी भी प्रकार का उत्पादन कार्य नहीं करते हैं। अतः इस वर्ग में बुढों व अपंग व्यक्तियों के साथ छात्रों, बेरोजगारों, पत्नियों, व पेंशन भोगी व्यक्तियों को शामिल किया जाता है। झुंझुनू जिले में 2011 में इस प्रकार की जनसंख्या के कुल लोगो की संख्या 1242396 हैं तथा जिले में 554504 पुरूष तथा 687892 महिलाऐं अकार्यशील हैं। जिले के ग्रामीण क्षेत्रो में कुल अकार्यशील लोगो की संख्या 895214 हैं, जिनमें 417370 पुरूष तथा 477844 महिलाऐं हैं। इसी प्रकार जिले के नगरो

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 5.928|

| Volume 4, Issue 8, August 2021 |

| DOI:10.15680/IJMRSET.2021.0408009|

में कुल अकार्यशील पुरूषो की संख्या 137134 एवं नगरो में अकार्यशील महिलाओं की संख्या 210048 हैं जबकी जिले में कुल 347182 लोग नगरो में अकार्यशील हैं। जिले में न्यूनतम एवं अधिकतम अकार्यशील जनसंख्या वाली तहसील को देखे तो पता चलता है की जिले में 2011 के आंकड़ो के अनुसार झुझुंनू तहसील में सर्वाधिक अकार्यशील लोग पाये जाते है। इस तहसील में इनकी संख्या 324150 हैं, जिनमें 139670 पुरूष तथा 184480 महिलाऐं अकार्यशील हैं एवं जिले में सबसे कम अकार्यशील जनसंख्या वाली तहसील बुहाना हैं। इस तहसील में कुल 129359 लोग अकार्यशील हैं, जिनमें 62624 पुरूष तथा 66735 महिलाऐं अकार्यशील हैं। जिले की अन्य तहसीलो में अकार्यशील जनसंख्या को देखे तो पाते है कि चिड़ावा तहसील में 256959, खेतड़ी तहसील में 168024, नवलगढ़ तहसील में 191028 तथा उदयपुरवाटी तहसील में कुल 172876 लोग अकार्यशील हैं।

- **सीमान्त जनसंख्या :**

इसके अन्तर्गत उस व्यक्ति वर्ग को रखा जाता है जिन्होंने परिगणना के पूर्व एक वर्ष में किसी भी समय कुछ काम नहीं किया है। अतः अधिकांश समय किसी भी प्रकार का काम न करने वाले श्रमिकों को इस श्रेणी के अन्तर्गत रखा जाता है। 2011 के आंकड़ो के अनुसार झुंझुनू जिले में कुल जनसंख्या में 301836 व्यक्ति सीमान्त जनसंख्या के अर्न्तगत आते हैं, जिनमें 97281 पुरूष तथा 204555 महिलाऐं हैं। अर्थात् जिले में कुल 33.74 प्रतिशत जनसंख्या सीमान्त है जिसमें से 17.97 प्रतिशत पुरूष तथा 57.91 प्रतिशत महिलाऐं सीमान्त जनसंख्या के अर्न्तगत आते हैं। जिले में ग्रामीण सीमान्त जनसंख्या में लोगो की संख्या 468932 हैं, जिनमें 337436 पुरूष तथा 131496 महिलाऐं सीमान्त जनसंख्या में हैं। अर्थात् जिले में कुल ग्रामीण सीमान्त जनसंख्या 62.30 प्रतिशत हैं एवं इनमें 20.67 प्रतिशत पुरूष तथा 59.84 प्रतिशत महिलाऐं हैं। इसी प्रकार जिले में नगरीय क्षेत्रो में कुल सीमान्त जनसंख्या 123881 हैं, जो की जिले की 87. 30 प्रतिशत हैं। नगरीय सीमान्त जनसंख्या में 106675 पुरूष तथा 17206 महिलाऐं हैं। अर्थात्

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 5.928|

| Volume 4, Issue 8, August 2021 |

| DOI:10.15680/IJMRSET.2021.0408009|

जिले में नगरीय क्षेत्रो में 91.93 प्रतिशत पुरूष तथा 66.55 प्रतिशत महिलाऐं सीमान्त जनसंख्या के अर्न्तगत आती हैं।

यदि जिले की तहसीलो में सीमान्त जनसंख्या के आंकड़ो पर दृष्टि डाले तो पता चलता है कि जिले की समस्त छः तहसीलो में से चिड़ावा तहसील में सीमान्त लोगो की संख्या सर्वाधिक हैं। 2011 के आंकड़ो के अनुसार चिड़ावा तहसील में सीमान्त जनसंख्या के अर्न्तगत आने वाले लोगो की कुल संख्या 81552 थी, जिनमें 24417 पुरूष तथा 57135 महिलाऐं हैं। चिड़ावा तहसील में ग्रामीण क्षेत्रो में कुल 78283 लोग सीमान्त जनसंख्या के अर्न्तगत आते हैं, जिनमें 22774 पुरूष हैं तथा महिलाओं की संख्या 55509 हैं। इसी प्रकार इस तहसील में नगरीय सीमान्त जनसंख्या 3269 हैं, जिनमें 1643 पुरूष तथा 1626 महिलाऐं हैं। इसी प्रकार देखा जाऐ तो चिड़ावा तहसील के बाद झुंझुनू तहसील में सीमान्त लोगो की जनसंख्या सर्वाधिक पाई जाती हैं। इस तहसील में 62489 व्यक्ति सीमान्त जनसंख्या के अर्न्तगत आते हैं, जिनमें 21298 पुरूष तथा 41191 महिलाऐं शामिल हैं। झुंझुनू तहसील में ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रो में कुल सीमान्त लोगो की संख्या क्रमशः 5543 तथा 7086 हैं। इस तहसील में ग्रामीण क्षेत्र में 17604 पुरूष तथा 37799 महिलाऐं सीमान्त जनसंख्या के अर्न्तगत आते हैं। इसी प्रकार तहसील के नगरीय क्षेत्रो में सीमान्त जनसंख्या के अर्न्तगत आने वाले पुरूषो एवं महिलाओं की संख्या क्रमशः 3694 एवं 3392 हैं। इसी क्रम में देखे तो झुंझुनू जिले की बुहाना तहसील में सीमान्त जनसंख्या सबसे कम पाई जाती हैं। आंकड़ो पर दृष्टि डाले तो पाते है कि बुहाना तहसील में कुल सीमान्त जनसंख्या 30451 हैं, जिनमें 8928 पुरूष तथा 21523 महिलाऐं हैं। इस तहसील के ग्रामों में कुल 29928 व्यक्ति सीमान्त जनसंख्या के अर्न्तगत आते है, जिनमें पुरूषो की संख्या 8712 एवं महिलाओं की संख्या 21216 हैं एवं इस तहसील के नगरीय क्षेत्रो में पाई जाने वाली कुल सीमान्त लोगो की जनसंख्या 523 हैं, जिनमें 216 पुरूष तथा 307 महिलाऐं हैं। जिले की अन्य तहसीलो पर नजर डाले तो पाते है कि झुंझुनू तहसील के बाद उदयपुरवाटी तहसील में सीमान्त जनसंख्या का अनुपात सर्वाधिक पाया जाता हैं। इस तहसील में कुल सीमान्त व्यक्तियों

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 5.928|

| Volume 4, Issue 8, August 2021 |

| DOI:10.15680/IJMRSET.2021.0408009|

की संख्या 46830 हैं, जिनमें पुरूषो की संख्या 14422 हैं तथा सीमान्त महिलाओं की संख्या 32408 हैं। इस तहसील में ग्रामीण सीमान्त जनसंख्या 45577 हैं एवं नगरीय सीमान्त जनसंख्या 1253 हैं। ग्रामीण सीमान्त जनसंख्या में 13857 पुरूष हैं एवं 31720 महिलाऐं हैं तथा तहसील में नगरीय सीमान्त जनसंख्या में पुरूषो एवं महिलाओं की संख्या क्रमशः 565 एवं 688 हैं। जिले की अन्य तहसीलो के आंकड़े देखे तो खेतड़ी तहसील में कुल सीमान्त जनसंख्या में लोगो की संख्या 36911 एवं नवलगढ़ तहसील में सीमान्त व्यक्तियों की कुल संख्या 43603 हैं।

4. निष्कर्ष :

उपरोक्त अध्ययन के उपरांत निष्कर्ष के आधार पर कहा जा सकता है की झुंझुनू जिले में जनसँख्या के व्यावसायिक संगठन में क्षेत्रगत विषमता पायी जाती हैं। जिले के ग्रामीण क्षेत्रो में कार्यशील जनसँख्या का प्रतिशत नगरीय जनसँख्या की तुलना में कम पाया जाता है, वही जिले में सीमांत जनसँख्या का सर्वाधिक प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों में पाया जाता है। जबकि नगरीय जनसँख्या में इसका प्रतिशत बहुत ही कम पाया गया है। इसी प्रकार झुंझुनू जिले में अकार्यशील जनसँख्या का सर्वाधिक प्रतिशत भी ग्रामीण क्षेत्रों में ही पाया गया है, जबकि जिले के नगरीय क्षेत्रों में अकार्यशील जनसँख्या का प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में लगभग आधा पाया गया है।

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 5.928|

| Volume 4, Issue 8, August 2021 |

| DOI:10.15680/IJMRSET.2021.0408009|

REFERENCES:

1. Allan M. Findlay, Peters, Gray L., Larkin, Robert P.– Population Geography – problems, Concepts and problems–Published by Kendall /Hunt Publishing Company 2460 Karper Baul Vard, Dobque.
2. Allan M. Findlay, Peters, Gray L., Larkin, Robert P.– Population Geography – problems, Concepts and problems–Published by Kendall /Hunt Publishing Company 2460 Karper Baul Vard, Dobque.
3. Boserup E. 1965. The conditions of agricultural growth: the economics of agrarian change under population pressure. Chicago (IL): Aldine. [Google Scholar]
4. Crist E. 2012. Abundant Earth and the population question. In: Cafaro P, Crist E, editors. Life on the brink: environmentalists confront overpopulation. Athens: University of Georgia Press; p. 141–151. [Google Scholar]
5. District Statistical handbook, Jhunjhunu District, 2020.
6. Gazetteer, Jhunjhunu District.
7. Hassan M. L. (2005) – Population Geography – New Rawat Published by Vedams (P) Ltd., New Delhi.
8. Hassan M. L. (2005) – Population Geography – New Rawat Published by Vedams (P) Ltd., New Delhi.
9. Problems Due to Population Pressure on the Agricultural Resources, NRMEI (2011).
10. Qazi S. A., Qazi S. – Population Geography – New Delhi.
11. Qazi S. A., Qazi S. – Population Geography – New Delhi.
12. Sharma B. B. L., Shukla Akshay,(2011), Environmental